

議案第 70 号

令和元年度

南小国町

後期高齢者医療特別会計補正予算書（第1号）

令和元年度南小国町の後期高齢者医療特別会計補正予算（第1号）は、次に定めるところによる。

（歳入歳出予算補正）

- 第1条 既定の歳入歳出予算の総額に、歳入歳出それぞれ598千円を追加し、歳入歳出予算の総額をそれぞれ60,278千円とする。
- 2 歳入歳出予算の補正の区分及び当該区分ごとの金額並びに補正後の歳入歳出予算の金額は、「第1表 歳入歳出予算補正」による。

令和元年9月12日提出

南小国町長

高

橋

周



第 1 表 歳入歳出予算補正

| 歳入    | 款     | 項 | 補正前額   | 今回補正額 | 合計     |
|-------|-------|---|--------|-------|--------|
| 6.繰越金 |       |   | 1      | 598   | 599    |
|       | 1.繰越金 |   | 1      | 598   | 599    |
| 歳入    | 合     | 計 | 59,680 | 598   | 60,278 |

(単位：千円)

歳 出

(単位：千円)

| 款       | 項      | 補 正 前 額 | 今 回 補 正 額 | 合 計    |
|---------|--------|---------|-----------|--------|
| 4. 諸支出金 |        | 52      | 598       | 650    |
|         | 2. 繰出金 | 1       | 598       | 599    |
| 歳 出     | 合 計    | 59,680  | 598       | 60,278 |

# 歳入歳出予算事項別明細書

## 1 総括

| (歳入)  |        | (単位：千円) |        |   |   |
|-------|--------|---------|--------|---|---|
| 款     | 補正前額   | 今回補正額   | 合計     | 備 | 考 |
| 6.繰越金 | 1      | 598     | 599    |   |   |
| 歳入合計  | 59,680 | 598     | 60,278 |   |   |

歳入歳出予算事項別明細書

1 総括

(単位:千円)

| 款       | 補正前額   | 今回補正額 | 合計     | 補正予算額の財源内訳 |     |     |      |
|---------|--------|-------|--------|------------|-----|-----|------|
|         |        |       |        | 特 定 財 源    |     |     | 一般財源 |
|         |        |       |        | 国県支出金      | 地方債 | その他 |      |
| 4. 諸支出金 | 52     | 598   | 650    |            |     |     | 598  |
| 歳 出 合 計 | 59,680 | 598   | 60,278 |            |     |     | 598  |

## 2 歳 入

(款) 6. 繰越金

(項) 1. 繰越金

| 目      | 補正前額 | 今回補正額 | 合計  | 節 分    |   |     | 説 明 |
|--------|------|-------|-----|--------|---|-----|-----|
|        |      |       |     | 区      | 分 | 額   |     |
| 1. 繰越金 | 1    | 598   | 599 | 1. 繰越金 |   | 598 |     |
| 計      | 1    | 598   | 599 |        |   |     |     |

(単位：千円)

| 圖 號 | 圖 名 | 圖 例 |  |  |  | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 | 備 註 |
|-----|-----|-----|--|--|--|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
|-----|-----|-----|--|--|--|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|

### 3 歳 出

| (款) 4. 諸支出金 |      |       |     | (項) 2. 繰出金 |        |             |             |                  |         | (単位: 千円) |         |
|-------------|------|-------|-----|------------|--------|-------------|-------------|------------------|---------|----------|---------|
| 目           | 補正前額 | 今回補正額 | 合計  | 補正額の財源内訳   |        |             |             | 節                |         | 説明       |         |
|             |      |       |     | 特<br>定     | 財<br>源 | 地<br>方<br>債 | そ<br>の<br>他 | 一<br>般<br>財<br>源 | 区<br>分  |          | 金<br>額  |
|             |      |       |     |            |        |             |             |                  |         |          |         |
| 1. 他会計繰出金   | 1    | 598   | 599 |            |        |             |             | 598              | 28. 繰出金 | 598      | 一般会計繰出金 |
| 計           | 1    | 598   | 599 |            |        |             |             | 598              |         |          |         |